सेन्टर फॉर लेबर रिसर्च एण्ड़ एक्शन, उदयपुर को बाल पोषण परियोजना के अन्तर्गत निम्न पदों पर आवश्यकता है

पद. जिला समन्वयक.

वेतन मान. 25000रू मासिक

कार्यक्षेत्र. भीलवाडा एवं अजमेर जिले के ईट भट्टे।

परियोजना. बाल पोषण परियोजना

शैक्षणिक योग्यता.स्नातकोत्तर

विशेष क्षमता. कम्पयूटर का ज्ञान

अनुभव. 7 वर्ष बाल विकास के क्षेत्र में काम का अनुभव।

कार्य पृष्ठभूमि. राजस्थान के भीलवाड़ा और अजमेर जिले में सेन्टर ्फार लेबर रिसर्च एण्ड एक्शन उदयपुर के द्वारा असंगठित क्षेत्र में कार्यरत ईट भट्टों पर प्रवासी श्रमिकों के साथ आने वाले बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा और समग्र विकास की हेतु सेवाओं उपलब्ध करवाने के लिए 5 वर्षीय परियोजना में कार्य किया जाना है। इस क्रम में अभिभावकों, सरकार, नियोक्ताओं एवं अन्य भागीदारों को सजग एवं जबाबदेह बनाते हुए असंगठित क्षेत्र के लिए श्रमिक परिवारों के बाल विकास के जाना है।

कार्य जबाबदेही.

- मानचित्रण कर बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य स्थितियों को समझना।
- ईट भट्टों पर बाल वाडी केन्द्रों का गुणवत्ता के साथ संचालन करना।
- बच्चों के कुपोषण को रोकना। उन्हे संतुलित पौष्टिक पोषाहार उपलब्ध कराना और माताओं को स्थानीय पौष्टिक आहार एवं पोषण के बारे में प्रशिक्षित करना।
- टीकाकरण के साथ बच्चों को स्वास्थ्य संबंधित समस्त सेवाओं की उपलब्धता करवाना। स्वास्थ्य एवं पोषण की निगरानी हेतु बच्चों के स्वास्थ्य कार्ड बनाना। साथ ही महिलाओं, किशोरियों को प्रजनन स्वास्थ्य, स्वच्छता, माहवारी प्रबंधन के बारे में प्रशिक्षित करना।
- व्यक्तिगत एवं पर्यावरणीय स्वच्छता पर काम करना।
- अभिभावकों को बच्चों के स्वास्थ्य, पूर्व प्राथमिक शिक्षा एवं बेहतर परवरिश करने के लिए प्रशिक्षित करना।
- महिला उत्पीड़न(घरेलु हिंसा एवं कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न) को रोकने के कार्यवाहियां करना और पुरूषों को इस क्रम में प्रशिक्षित करना।

- बाल विकास के क्रम में जिम्मेदार विभागों के बीच प्रभावी समन्वयन बनाते हुए सरकारी योजनाओं का लाभ बच्चों को दिलवाना।
- बच्चों को स्कूल और आंगनबाड़ियों से जोड़ना।
- ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण समितियों एवं विद्यालय प्रबंधन समितियों को सुदृढ करना एवं उनकी पहुंच ईट भट्टों तक करवाना।
- उत्प्रेरण हेतु (ब्रोशर, गीत, पोस्टर, एनिमेटेड फिल्म, पैम्पलेट, आडियो, समाचार पत्र, विजुअल सामग्री व अन्य) सामग्री का निर्माण करना।
- ट्रेड यूनियनों को श्रमिकों के मांग पत्र में बच्चों के मुद्दों को पुरजोर से नियोक्ताओं और प्रशासनिक स्तर पर वकालात करने के लिए प्रशिक्षित करना।
- जनहित याचिकाओं के द्वारा बच्चों के विकास एवं श्रमिकों के मुद्दों को नीतिगत बदलाव के लिए उठाना।
- मीडिया में श्रमिकों एवं बच्चों के विकास से संबंधित पक्षों और स्थितियों को रखना।
- बाल विकास एवं श्रमिकों के हितों मे काम करने वाले अन्य संस्थानों से समन्वयन बनाकर बाल विकास के पक्षों को मजबूत करना।
- परियोजना मे दर्ज समस्त लक्ष्यों को प्राप्त करना समय समय पर मानिटरिंग करना।
- आवश्यक रिर्पोट लेखन एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजीकरण बनाना।

रिर्पोटिग. राज्य समन्वयक

पद. ब्लाक समन्वयक.

वेतन मान. 15000रू मासिक

कार्यक्षेत्र. भीलवाडा एवं अजमेर जिले के ईट भट्टे।

परियोजना. बाल पोषण परियोजना

शैक्षणिक योग्यता. स्नातक

विशेष क्षमता. कम्पयूटर का ज्ञान

अनुभव. 3 वर्ष बाल विकास के क्षेत्र में काम का अनुभव।

कार्य पृष्ठभूमि. राजस्थान के भीलवाड़ा और अजमेर जिले में सेन्टर ्फार लेबर रिसर्च एण्ड एक्शन उदयपुर के द्वारा असंगठित क्षेत्र में कार्यरत ईट भट्टों पर प्रवासी श्रमिकों के साथ आने वाले बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा और समग्र विकास की हेतु सेवाओं उपलब्ध करवाने के लिउ 5 वर्षीय परियोजना में कार्य किया जाना है। इस क्रम में अभिभावकों, सरकार, नियोक्ताओं एवं अन्य भागीदारों को सजग एवं जबावदेह बनाते हुए असंगठित क्षेत्र के लिए श्रमिक परिवारों के बाल विकास के जाना है।

कार्य जबाबदेही.

1. मानचित्रण कर बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य स्थितियों को समझना।
2. ईट भट्टों पर बाल वाडी केन्द्रों का गुणवत्ता के साथ संचालन करना।
3. बच्चों के कुपोषण को रोकना। उन्हे संतुलित पौष्टिक पोषाहार उपलब्ध कराना और माताओं को स्थानीय पौष्टिक आहार एवं पोषण के बारे में प्रशिक्षित करना।
4. टीकाकरण के साथ बच्चों को स्वास्थ्य संबंधित समस्त सेवाओं की उपलब्धता करवाना। स्वास्थ्य एवं पोषण की निगरानी हेतु बच्चों के स्वास्थ्य कार्ड बनाना। साथ ही महिलाओं, किशोरियों को प्रजनन स्वास्थ्य, स्वच्छता, माहवारी प्रबंधन के बारे में प्रशिक्षित करना।
5. व्यक्तिगत एवं पर्यावरणीय स्वच्छता पर काम करना।
6. अभिभावकों को बच्चों के स्वास्थ्य, पूर्व प्राथमिक शिक्षा एवं बेहतर परवरिश करने के लिए प्रशिक्षित करना।
7. महिला उत्पीड़न(घरेलु हिंसा एवं कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न) को रोकने के कार्यवाहियां करना और पुरूषों को इस क्रम में प्रशिक्षित करना।
8. बाल विकास के क्रम में जिम्मेदार विभागों के बीच प्रभावी समन्वयन बनाते हुए सरकारी योजनाओं का लाभ बच्चों को दिलवाना।
9. बच्चों को स्कूल और आंगनबाड़ियों से जोड़ना।

10. ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण समितियों एवं विद्यालय प्रबंधन समितियों को प्रशिक्षित कर सुद्दढ करना एवं उनकी पहुंच ईट भट्टों तक करवाना।
11. उत्प्रेरण हेतु (गीत, पोस्टर, वीडियो क्लिप, पैम्पलेट, समाचार पत्र, विजुअल सामग्री व अन्य) सामग्री का निर्माण करना।
12. रिपोर्टिग एवं आवश्यक दस्तावेजीकरण का काम करना।
13. बाल वाडी केन्द्रों की मानिटरिंग करना
14. ट्रेड यूनियनों को श्रमिकों के मांग पत्र में बच्चों के मुद्दों को जुडवाना और उनकी पैरवी करना।
15. नियोक्ताओं और प्रशासनिक स्तर पर बच्चों के मुद्दों के मुद्दों की वकालात करना।
16. मीडिया में श्रमिकों एवं बच्चों के विकास से संबंधित मुद्दों को उठाना।
17. बाल एवं श्रमिकों के विकास से संबंधित सरल पाठ्य सामग्री का निर्माण करना।

रिर्पोटिग. जिला समन्वयक

आवेदन info@clra.in पर दिनांक 10/01/2021 तक भेजे जाए।